

अनुक्रमणिका

अनं.

तपशील

पृष्ठांक

- |    |  |            |
|----|--|------------|
| 1. | <u>प्रकरण पहिले</u> - भूमिका, विषयाचे महत्त्व, पूर्वाभ्यासाचे स्वरूप, हा विषय अभ्यासासाठी का निवडता व प्रसुत अभ्यासाची दिशा  | १ ते ३     |
| 2. | <u>प्रकरण दुसरे</u> - महानुभावपंथाची पूर्वाभ्यासिका, पंथाचे नामकरण चर्चा, महानुभावप्रधार्याची बेठक, प्रवर्तक, आमाय, महानुभावीय शिष्य परंपरा, महानुभावीय वॉइ.मय.  | ४ ते २८    |
| 3. | <u>प्रकरण तिसरे</u> - आध कर्वायत्री महादंबा-र्तिचा कुलदृत्तांत, पूर्व चरित्र व नामकरण, महादाइसाचे उत्तरायुग्म, महदंवेची वैशिष्ट्ये, महदंवेचे निधन महदंवेचे जन्म-निधन, अज्ञात, महदंवेचे श्रेष्ठत्व.   | २९ ते ५२   |
| 4. | <u>प्रकरण चवथे</u> - आध मराठी ग्रंथकार कोण? मराठीतील पर्हती आख्यान कीवता, आख्यान काव्य म्हणजे काय? आख्यान काव्याचे स्वरूप, मराठी आख्यान कीवता व शब्दे.   | ५३ ते ६४   |
| 5. | <u>प्रकरण पाचवे</u> - धवळ्याची प्रेरणा, धवळ्याचे स्वरूप, धवळ्याचा रचनाकाल, धवळ्याची भाषा व व्याकरण, तत्कालीन सामाजिक स्थिती, महदंवेचे मातृकी स्त्रियां स्वयंवर, प्रेरणा व स्वरूप, रचनाकाल, स्त्रियां स्वयंवराचा विषय, मातृकी स्त्रियां स्वयंवरातील रचना, ग्रंथाचा प्रारंभ, काव्याची वृत्तबद्धता, भाषा व व्याकरण, काव्यदृष्ट्या निरीक्षण, मातृकी स्त्रियां स्वयंवरातील नाट्य, तत्कालीन समाज स्थितीचे वर्णन, महदंवेच्या गर्भकांडाच्या ओव्या, प्रेरणा आणि स्वरूप. | ६५ ते ९६   |
| 6. | <u>प्रकरण सहावे</u> - महदंवेच्या वाड.मयाचे मृत्यु मापन.  | ९७ ते १२४  |
| 7. | <u>प्रकरण सातवे</u> - समारोप व उपसंहार   | १२५ ते १२६ |
| 8. | <u>परिशिष्टये</u>  | १२७ ते १३८ |
|    | 1. मातृकी स्त्रियां स्वयंवर सांहत्य.   |            |
|    | 2. वंशवृक्ष  |            |
|    | 3. शब्दकोश धवळ्यातील वाक्प्रचार  |            |
|    | 4. संदर्भ ग्रंथ सूची.  |            |